an>

Title: Issue regarding death of a student due to ignorance of school authorities.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): महोदया, मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय को उठाने का मौका दिया है। माननीय प्रधान मंत्री जी जब नेपाल के दौरे पर गए और उसके बाद नेपाल के जितने लोग यहां पर मिलने आए, सबने उनकी तारीफों के पुल बांधे और भारत और नेपाल के रिश्तों में जो संबंध और मधुर हुए हैं, मज़बूत हुए हैं, उनकी प्रशंसा की है। लेकिन हाल ही में एक ऐसी घटना घटी जब नेपाल की एक महिला और वहां के एक सांसद मुझ से मिलने आए। उस महिला का इकलौता बेटा नैनिताल के शेरवुड स्कूल में पढ़ता था। चार दिन तक बीमार रहने के बावजूद वे उसको अस्पताल लेकर नहीं गए। उसने स्कूल अथॉरिटी से बार-बार कहा कि मुझे अस्पताल ले चलिए, लेकिन वे उसको अस्पताल लेकर नहीं गए। जब उसे अस्पताल लेकर गए, तो उसकी जान चली गई और उनका इकलौता बेटा चल बसा। वह माँ उत्तराखंड के नैनीताल भी गई, वहाँ पर धरना-प्रदर्शन किया, मुख्यमंत्री से मिले, दिल्ली में आये तो यहाँ पर कई लोगों से मिले। उसके बाद मेरठ जाकर वे उनके बिशप से मिलने भी गयीं, लेकिन उसको न्याय आज तक नहीं मिल पाया है। लाखों रूपए खर्च करने के बाद लोग अपने बच्चों को बोर्डिंग स्कूल में भेजते हैं और वहाँ पर बच्चों की सेहत को देखने के लिए केवल एक डॉक्टर भी स्कूल में नहीं है। वहाँ के जो प्रिंसिपल हैं, जो हेडमास्टर हैं, वे उस बच्चे की देखभाल के लिए उसे अस्पताल तक नहीं ले जा पाए। उस माँ को, जिसका इकलौता बेटा चल बसा, क्या उसे इंसाफ मिल पाएगा? क्या वहाँ की स्थानीय सरकार उस स्कूल के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी? क्या स्कूल की अथॉरिटीज ने अब तक कोई ऐसा कदम उठाया है कि भविष्य में उस स्कूल के बच्चे की या किसी भी बोर्डिंग स्कूल के बच्चे की जान न जाए? उस दिशा में कोई कदम उठाया जाए, ताकि नेपाल की उस माँ को भारत में इंसाफ मिल पाए। मेरा आपसे केवल इतना ही आग्रह है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री अजय टम्टा अपने आपको श्री अनुराग सिंह ठाकुर जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।